स्लॉट बुकिंग सिस्टम फेल : किसान हो रहे परेशान

केवलारी नवभारत। रबी सीजन में गेहूं उपार्जन के लिए लागू ऑनलाइन स्लॉट बुकिंग व्यवस्था पूरी तरह चरमराती नजर आ रही है। समर्थन मूल्य पर अपनी उपज बेचने के लिए किसानों को अब तकनीकी सिस्टम की खामियों से जूझना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि किसान रात-रात भर जागकर स्लॉट बुक करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कई दिनों तक प्रयास करने के बाद भी उन्हें सफलता नहीं मिल रही।

किसानों के अनुसार जैसे ही स्लॉट बुकिंग शुरू होती है, पोर्टल पर अत्यधिक लोड के कारण सर्वर डाउन हो जाता है। एक समय में हजारों किसानों द्वारा लॉगिन और रिक्वेस्ट भेजने से सिस्टम जवाब दे देता है। तकनीकी जानकारों का कहना है कि लगभग 50 हजार यूजर्स के एक साथ प्रयास करने से सर्वर पर दबाव बढ़ जाता है, जिससे सर्वर डाउन और टाइम आउट जैसी समस्याएं सामने आती हैं। जिसके चलते किसान रात रात भर जाग रहे हैं ताकि रात में सर्वर ठीक चल सके और उनकी फसल का पंजीयन हो सके परंतु रात रात भर जागने के बावजूद भी उन्हें सिर्फ मायूसी हाथ लग रही है।

स्लॉट बुकिंग में आ रही दिक्कतों के कारण किसान समय पर अपनी फसल मंडियों तक नहीं पहुंचा पा रहे हैं, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान का डर सता रहा है। कई किसानों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो उन्हें मजबूरन अपनी उपज औने-पौने दामों में व्यापारियों को बेचनी पड़ेगी।

किसानों ने सरकार से मांग की है कि सर्वर क्षमता बढ़ाई जाए, स्लॉट बुकिंग प्रक्रिया को सरल बनाया जाए और वैकल्पिक ऑफलाइन व्यवस्था लागू की जाए। साथ ही तकनीकी खामियों को दूर करने के लिए विशेषज्ञ टीम तैनात की जाए, ताकि किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिल सके। यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया, तो यह समस्या व्यापक असंतोष का कारण बन सकती है और सरकार की खरीद व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्न खड़े कर सकती है।

करोड़ों खर्च के बावजूद व्यवस्था नहीं सुधरी

सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार द्वारा इस डिजिटल व्यवस्था को विकसित करने और सुधारने में करोड़ों रुपये खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। करोड़ों की लागत के बावजूद सिस्टम में न तो सर्वर क्षमता बढ़ाई गई और न ही ऐसी आधुनिक तकनीकों का प्रभावी उपयोग किया गया, जिससे एक साथ अधिक यूजर्स को संभाला जा सके। डिजिटल युग में जहां करोड़ों लोग एक साथ सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं और लाखों दर्शक बिना रुकावट लाइव क्रिकेट मैच देखते हैं, वहीं किसानों के लिए बनाया गया यह पोर्टल बुनियादी दबाव भी नहीं झेल पा रहा है। इससे प्रदेश की आईटी व्यवस्थाओं और डिजिटल दावों की पोल खुलती नजर आ रही है।

एलएनटी विभाग ने खोदा मौत का गड्ढा, ग्रामीणों में आक्रोश

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में भ्रष्टाचार और लापरवाही

कान्हीवाड़ा नवभारत। कलारबाकी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी चमचमाती सड़क अब ग्रामीणों के लिए मुसीबत का सबब बन गई है। एनएनटी विभागकी बड़ी लापरवाही के चलते कान्हीवाड़ा-कलारबाकी मार्ग पर स्थित ड्यूटी गांव के काली मंदिर के सामने सड़क के बीचों-बीच एक विशालकाय गड्ढा खोद दिया गया है, जिससे क्षेत्र में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

मिली जानकारी के अनुसार, विभाग द्वारा ड्यूटी गांव के पास काली मंदिर जैसी व्यस्त जगह पर लगभग 6/6 फीट का गहरा गड्ढाखोदा गया था। कार्य पूरा होने के बाद विभाग ने इसे नियमानुसार पक्का करने के बजाय केवल मिट्टी डालकर खानापूर्ति कर दी।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क के बीचों-बीच खोदे गए इस गड्ढे और उसके ऊपर डाली गई ढीली मिट्टी के कारण आए दिन दोपहिया वाहन चालक फिसलकर गिर रहे हैं। रात के समय खतरा स्ट्रीट लाइट की कमी और अचानक सामने आए इस गड्ढे के कारण रात में सफर करना जानलेवा साबित हो रहा है। धूल और फिसलन मिट्टी के कारण उड़ती धूल और हल्की बारिश में होने वाली फिसलन ने राहगीरों की मुश्किलें दोगुनी कर दी हैं।

ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

एलएनटी विभाग की इस कार्यप्रणाली से कान्हीवाड़ा और ड्यूटी गांव के ग्रामीणों में जबरदस्त आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी पैसे का दुरुपयोग कर बनाई गई सड़क को बिना किसी ठोस योजना के खोदा गया और अब उसे भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है।

एक नजर में

गोपालगंज शाला में साईकिल वितरित की विधायक ने

गोपालगंज। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोपालगंज में विधायक दिनेश राय मुनमुन की उपस्थिति में सायकल वितरित कि गयी सायंकाल प्राप्त करने वाले विधार्थियों में कक्षा 6वी व 9वी के विधाथी शामिल थे। प्राचार्य हेमंत मरावी ने बताया कि इस दौरान विधायक दिनेश राय द्वारा शाला के लिए 500 विधार्थियों के लिए फर्नीचर एवं शौचालय व मरम्मत के लिए राशि देने की घोषणा की गई इस अवसर पर सरपंच हरिशंकर साहू एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सिवनी के शिवम ठाकुर नागपुर बोर्ड में अव्वल

सिवनी। कुर्वेज न्यू मॉडल हाईस्कूल, दीक्षा भूमि रोड, नागपुर (महाराष्ट्र) के छात्र शिवम ठाकुर ने कक्षा 8वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ए+ ग्रेड प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। शिवम सिवनी जिले के फैशन चौक महाराज बाग,भैरोगंज के निवासी हैं। बचपन से ही बहु-प्रतिभाशाली शिवम पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी सक्रिय रहे हैं। वे खेलकूद में रुचि रखते हैं तथा शतरंज में 4 बार गोल्ड मेडल जीत चुके हैं, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है। शिवम, Pacs सोसायटी मुंगवानी के मैनेजर जोगेश ठाकुर के पुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि पर परिवारजनों, शिक्षकों और स्थानीय नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।विद्यालय प्रबंधन ने शिवम की मेहनत, अनुशासन और लगन की सराहना करते हुए कहा कि वे अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

प्रत्यूष बने सबसे कम उम्र के इंटरनेशनल रेटेड शतरंज खिलाड़ी

छपारा। विगत दिनों प्रदेश के देवास में आयोजित अंतराष्ट्रीय क्लासिकल शतरंज प्रतियोगिता में अपने हुनर का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रत्यूष सिंह ठाकुर ने अंतराष्ट्रीय स्तर पर अपनी चेस रेटिंग प्राप्त की , ऐसा करने वाले वे जिले के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। ज्ञात हो कि कक्षा 6 वी में अध्ययन करते हुए प्रत्युष ने महज 12 वर्ष की उम्र में यह करनामा कर दिखाया ।प्रत्यूष सिंह छपारा नगर में संचालित एक निजी स्कूल के संचालक प्रशांत ठाकुर एवं प्राचार्य नंदनी ठाकुर के सुपुत्र हैं । विदित हो कि प्रत्यूष ने शतरंज खेलना मात्र 2 वर्ष पूर्व प्रारंभ किया था , इन दो वर्षों में उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से एक बार संभाग स्तर, साथ ही एक बार प्रदेश स्तर में चयनित हुए तथा एआईसीएफ के माध्यम से एक बार राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होकर जिला एवं प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं । पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के अलावा प्रत्यूष अपने पिता से शतरंज के गुण सीख रहे हैं साथ ही साथ लगातार नागपुर,इंदौर एवं दुबई के शतरंज कोच से ऑनलाइन चेस की ट्रेनिंग ले रहे हैं ।प्रत्यूष ने हमारे संवाद दाता से बात करते हुए बताया कि वे बड़े होकर आईएएस अधिकारी बनकर देश की सेवा करना चाहते हैं और शतरंज के क्षेत्र में जल्द ही ग्रैंड मास्टर जैसी उपलब्धि हासिल करने के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं ।समस्त जिले वासियों की ओर से प्रत्यूष की इस उपलब्धि पर उन्हें एवं उनके परिवार को हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

मुफ्त का राशन पटेलों के घर पहुंचाने की सुविधा हो मुहैया

सरकार को नियम में करना चाहिए बदलाव

धारनाकला नवभारत। चार पहिया वाहन ट्रेक्टर परिवार मे सरकारी नौकरी या पेंशन भोगी का होना 100 वर्ग मीटर का प्लाट या उससे अधिक का घर या प्लाट तथा जमीन का होना यदि परिवार की वार्षिक आय एक लाख रूपये हो ऐसे व्यक्ति मुफ्त का सरकारी राशन लेने की पात्रता श्रेणी मे नियमो के आधार पर नही होना चाहिए किंतु सरकारी मुफ्त का राशन आज की स्थिति जिनके पास लाखो की आय टू व्हीलर वाहन से लेकर पक्का मकान लम्बी खेतिहर जमीन जिससे लाखो रूपये मे वार्षिक आय प्राप्त हो रही है ऐसे लोग भी दबंगई के साथ राशन ले रहे है और मजे की बात तो यह की ऐसे अमीर और गावं के पटेल अगर राशन दुकान पहुचते है तो सबसे पहले इन्हे राशन मिलना चाहिये कयोकि ऐसे लोग गरीबो की तरह राशन दुकान मे खडे नही हो सकते मजबूरी मे राशन विक्रेता अगर सम्मान देते पहले पी ओ एस मशीन से फिंगर लेकर राशन दे भी दे तो राशन दुकान मे ही विवाद की स्थिति निर्मित हो जाती है यही नही राशन दुकान खुलने के दिन अगर पटेल साहब राशन दुकान अपने निजि कामो के चलते अगर राशन दुकान नही पसूचते है तो इनकी मर्जी के हिसाब से राशन दुकान खोलकर इन्हे राशन उपलब्ध होने के साथ इनकी मर्जी चाहे तो इन्हे पूरा गेहू अथवा चावल चाहिये जबकि वर्तमान मे शासन के मापदंड के अनुसार प्रति सदस्य 03 किलो गेहू एवं 02 किलो चावल ही आनलाइन वितरण के नियम निर्धारित है किंतु इनके लिये सिर्फ इनकी मर्जी चलती है नही तो गरीबी का चोला ओढे इन अमीरो 181 सी एम हेल्प लाइन को मोहरा बना लिया है जिसका सीधा दबाव 8000 रूपये के कमीशन मे काम कर रहे विक्रेता पर पडता है ऐसी स्थिति मे सरकार कुछ बदलाव करते है ऐसे अमीर तथा दबंग लोगो के घर राशन पहूचाने की सुविधा भी मुहैया करा देना चाहिये जिससे 181 सेवा का दुरूपयोग न हो सकेगा

पूरा गांव गरीबी रेखा की श्रेणी में

इससे ज्यादा अजूबा क्या होगा की वर्तमान गांव के लगभग 90 प्रतिशत प्रतिशत लोग गरीबी रेखा की श्रेणी मे दस्तक दे चुके है जबकि हकीकत यह है ऐसे लोगो के नाम वर्तमान मे गरीबी रेखा की श्रेणी मे जोडे गये है जिनके पास टू व्हीलर से लेकर फोर व्हीलर वाहन लाखो की आय प्लाट जमीन और आलीशान भवन जिसकी कीमत ही करोडो मे है किंतु सरकारी आकडो मे गरीब क्या प्रशासन ऐसे लोगो सख्त कार्रवाई को अंजाम देगा।

टू व्हीलर तथा फोर व्हीलर वाहन से आते हैं राशन लेने

उल्लेखनीय है की प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत भारत सरकार पात्र राशन कार्ड धारक को 2028 तक मुफ्त सरकारी राशन गेहू और चावल प्रदान कर रही है यह योजना अन्त्योदय और प्राथमिकता वाले परिवार को प्रति व्यक्ति 05 किलो या 35 किलो प्रति परिवार राशन देती है और केन्द्र सरकार के द्वारा मुफ्त राशन की अवधि भी 2028 तक बढा दी है जिससे मुफ्त राशन का लाभ मिल रहा है किंतु गरीबो की यह योजना अमीरो के लिये भी बरदान साबित हो रही है यही कारण है राशन दुकान यही अमीर टू व्हीलर से लेकर फोर व्हीलर वाहन से राशन लेने अपनी उपस्थिति देते नजर आते है यही नही योजना का लाभ लेने के लिये अपनी परिवार आइ डी भी अलग करवा ली गई है किंतु जमीनी हकीकत आज भी यही है पूरा परिवार एक साथ है किंतु कागजो मे परिवार आइ डी अलग बनने से वे अलग है यही स्थिति प्रधान मंत्री आवास के लाभ मे देखी गई सबकुछ रहते हुऐ भी इस योजना का लाभ सबसे पहले अमीरो को मिला और एक ही परिसर मे प्रधान मंत्री आवास का भवन खडा हो गया ।

बिलासपुर में होगा मुकाबला, प्रो कबड्डी लीग में सिवनी की मयूरी हुई चयनित

सिवनी नवभारत। छोटे गांव से शहर और शहरों से निकलकर बड़े मंच पर पहचान बनाने का सपना अब हकीकत की ओर दिख रहा रहा है। सिवनी कबड्डी एकेडमी की महिला कबड्डी खिलाड़ियों मयूरी का चयन छत्तीसगढ़ में आयोजित प्रो कबड्डी लीग में हुआ है। यह उपलब्धि न सिर्फ खिलाड़ियों के लिए, बल्कि पूरे जिले के और सिवनी खेल जगत के खिलाड़ी के लिए गर्व का विषय है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में 30 अप्रैल से 3 मई तक आयोजित होने वाली प्रो कबड्डी लीग में सिवनी कबड्डी एकेडमी की मयूरी पटले अपनी प्रतिभा का जौहर आधुनिक खेल मैदान में दिखाएंगी । और अपने उच्चतम खेल प्रदर्शन से ARD SAIDA टीमों का हिस्सा बनी हैं। सिवनी एकेडमी के संरक्षक संतोष अग्रवाल ओर बदल बैन की जानकारी के मुताबिक ARD SAIDA की शेरनियां टीम ने आकर्षक प्राइज पर अपनी टीम में छत्तीसगढ़ प्रीमियर लीग 9वाँ सीज़न के लिए शामिल किया है। वही मयूरी की माता इंद्र पतले ओर कोच संगीता सिंह ने मयूरी की कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास का परिणाम माना जा रहा है। इस उपलब्धि खेल प्रतिभाओं के लिए प्रेरणा मिलेगी जिससे जिले को कबड्डी खेल लिए नए खिलाड़ी मिलेंगे। प्रायोजित के दौरान खिलाड़ियों को रहने, खाने, खेल किट और नगद राशि की सुविधा टीम मालिकों द्वारा प्रदान की जाएगी। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों को शामिल कर टीमें बनाई हैं, जिससे मुकाबले का स्तर काफी ऊंचा और रोमांचक रहने की उम्मीद है।

नरवाई की आग की चपेट में आने से शिक्षिका की मौत

पति भी उपचार हेतु नागपुर मेडिकल में भर्ती, शादी समारोह में जाते समय हुआ हादसा

छपारा नवभारत। विगत 30 अप्रैल को शाम लगभग पांच बजे से चले तेज आंधी तूफान में जहां सैकड़ों पेड़ जमींदोज हो गए और जनजीवन लगभग ढेड़ घंटे अस्त-व्यस्त हो गया तो वहीं नगर से 6 किलोमीटर दूर ग्राम बर्रा निवासी एवं छपारा सांदीपनि विद्यालय में पदस्थ अतिथि शिक्षक पति-पत्नी यतेन्द्र नागले एवं श्रीमती जयश्री नागले गुरुवार को देवरी माल क्षेत्र में दोनों बच्चों के साथ दोपहिया वाहन से शादी समारोह में जा रहे थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मार्ग में लगाई गई नरवाई की भड़की आग जो सड़क किनारे तक पहुंच गई थी तेज आंधी तूफान से दोपहिया वाहन अनियंत्रित होकर गिर गए वहीं आग की चपेट में आने से पत्नी श्रीमती जयश्री नागले को झुलसते हुए देख यतेन्द्र नागले ने भरसक आग से बचाव करने की कोशिश की वहीं खुद भी बुरी तरह झुलस गए और बच्चों को मौके पर उपस्थित जनों ने बचा लिया लेकिन इस हादसे में दंपति दोनों आग से झुलस गए जिन्हें पहले जिला चिकित्सालय सिवनी पहुंचाया गया जहां से दोनों की गंभीर हालत के चलते रात्रि में ही नागपुर मेडिकल में उपचार हेतु पहुंचाया गया वहीं दूसरे दिन श्रीमती जयश्री नागले 38 वर्ष ने उपचार के दौरान दम तोड दिया

वहीं यतेन्द्र नागले की स्वास्थ्य की स्थिति स्थिर बनी हुई अचानक आई शिक्षक दंपति पर विपदा की घड़ी में सर्व शिक्षा विभाग एवं शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा भरसक आर्थिक मदद जुटाने का प्रयास किया जा रहा है वहीं मिली जानकारी के अनुसार 2 मई को अनहोनी घटना में अपने अल्प समय में प्राण गंवा चुकी स्वर्गीय श्रीमती जयश्री नागले का शव उनके गांव बर्रा पहुंचेगी इस घटना से समूचा क्षेत्र स्तब्ध है यतेन्द्र नागले के जल्द स्वस्थ होने की क्षेत्रवासियों द्वारा ईश्वर से प्रार्थना की जा रही है।

भगवान को चाहें भगवान से न चाहें : पंडित धीरेन्द्र शास्त्री

छपारा नवभारत। सत्य सनातन धर्म के सर्वश्रेष्ठ ध्वजावाहक देश ही नही अपितु संपूर्ण विश्व में सत्य सनातन धर्म का प्रचार प्रसार एवं भारत वर्ष को हिन्दू राष्ट्र बनाने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले श्री श्री 1008 श्री बागेश्वर धाम सरकार से पंडित श्री धीरेंद्र कृष्ण शस्त्री 30 अप्रैल को रात्री में नागपुर से जबलपुर जाते समय छपारा नगर के समीप छपारा कलां में अपने प्रिय शिष्य ठा. मणिरत्न सिंह के निज निवास पहुंचने पर महराज श्री का भव्य स्वागत किया गया जहां महराज श्री की एक झलक पाने के लिये लोगों का तांता लग गया। छपारा कलां पहुंचे महराज श्री ने उपस्थित हजारों भक्तजनो से कहां वह वर्तमान में नागपुर में आयोजित कथा कार्यक्रम के समापन के बाद बागेश्वर जाएंगे जिसके बाद वह वहां से तीन माह तक बद्रीनाथ धाम में साधना हेतू जा रहें है वहीं महराज श्री ने उपस्थित श्रध्दालुओं से कहा कि भगवान को चाहो भगवान से कभी ना चाहो गुरूजी लगभग 1 घंटे घर पर रूककर परिजनों सहित वहां पर उपस्थित भक्तो दर्शन लाभ सत्संग एवं सभी को अपना दिव्य आशीर्वाद प्रदान किया।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से धीरसिंह घायल

उगली नवभारत। गत दिवस अचानक मौसम ने करवट ले लिया, जिसके कारण तेज आंधी हवा और गरज चमक के साथ बिजली और कहीं-कहीं पर चना,बटाना आकार के ओले भी गिरे,उगली क्षेत्र के ग्राम सरेखा खुर्द में आकाशीय बिजली गिरने से 50 वर्षीय धीरसिंह उइके घायल हो गए। वे खेत में काम कर रहे थे तभी अचानक मौसम बदलने पर यह घटना हुई। उन्हें तुरंत स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से बालाघाट के निजी अस्पताल में इलाज जारी है। मौसम विभाग ने 4-5 मई तक खराब मौसम की चेतावनी दी है, लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

आध्यात्मिक क्रांति के 90 वर्ष पूर्ण होने पर मीडिया परिचर्चा आयोजित

ब्रह्माकुमारी संस्थान के 90 वर्ष पूर्ण होने पर पत्रकारों का हुआ सम्मान

सिवनी नवभारत। आध्यात्मिक क्रांति और मानवीय मूल्यों के अग्रदूत संस्थान प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय% के गौरवशाली 90 वर्ष (नवदशकोत्सव) पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज स्थानीय केंद्र शांति शिखर (पीजी कॉलेज रोड) में एक विशाल मीडिया परिचर्चा एवं स्नेह मिलन कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिले के प्रबुद्ध पत्रकारों और बुद्धिजीवियों ने 90 साल के दिव्य संदेश और स्वर्णिम समाज के निर्माण पर गहन मंथन किया?

ऐतिहासिक यात्रा और उपलब्धियों पर चर्चा

कार्यक्रम के दौरान संस्थान की 90 वर्षों की स्वर्णिम एवं वैश्विक यात्रा पर प्रकाश डाला गया। ब्रह्मा कुमारीज की जिला प्रमुख ब्रह्माकुमारी ज्योति दीदी ने बताया कि सन् 1936 में हैदराबाद (सिंध) से शुरू हुई यह दिव्य यात्रा आज विश्व के 140 से अधिक देशों में एक विशाल आध्यात्मिक आंदोलन बन चुकी है? संस्थान की मुख्य प्रशासिका दादियों के अतुलनीय त्याग और कुशल नेतृत्व ने इसे दुनिया का सबसे बड़ा महिला नेतृत्व वाला संगठन बनाया है, जो नारी को शक्ति स्वरूप के रूप में प्रतिष्ठित करता है ।

परिचर्चा का मुख्य केंद्र समाज में सकारात्मक सोच का संचार रहा। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी ज्योति दीदी जी ने अपने संबोधन में कहा कि परिवर्तन का आरंभ स्वयं से होता है और जब हम स्वयं को बदलते हैं, तो युग बदल जाता है। उन्होंने मीडिया जगत से एक सतयुगी दुनिया की नींव रखने में सहभागी बनने का आह्वान किया?

पत्रकार भाई बहनों का सम्मान- समाज को दिशा देने वाले मीडिया कर्मियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। श्री राधे-कृष्ण और लक्ष्मी-नारायण की मनमोहक चलित झाँकियों ने उपस्थित जनों का मन मोह लिया। पत्रकार भाइयों ने ब्रह्माकुमारी संस्थान की तारीफ करते हुए कहा कि आपने तो सिवनी में वृंदावन बना दिया ऐसे मनमोहक राधे कृष्ण की चलित झांकी के दर्शन लाभ सभी शहरवासियों को लेना चाहिए।

संस्थान द्वारा 90वें वर्ष के उपलक्ष्य में देशभर में 2026 से 27 तक 90 लाख पौधे लगाने के महा-अभियान के बारे में जानकारी दी गई। तनावमुक्त जीवन जीने के लिए राजयोग शिक्षा और कर्म सिद्धांत जैसा कर्म करोगे, वैसा फल पाओगे फिर कब करोगे एवं राजयोग द्वारा अष्ट सिद्धियां की प्राप्ति, साथ ही भारत के उत्थान पतन की सत्य कहानी पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया ।3ष्ठ शो के माध्यम से गहन शांति (मेडिटेशन) का अभ्यास कराया गया।

विज्ञप्ति में बताया गया कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा मैसेंजर ऑफ पीस से सम्मानित यह संस्थान वर्तमान में 8500 से अधिक सेवा केंद्रों के माध्यम से करोड़ों लोगों को नशामुक्ति, मूल्यनिष्ठ शिक्षा और राजयोग के मार्ग पर ला चुका है। माउंट आबू स्थित दुनिया का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा रसोई घर संस्थान की तकनीक और आध्यात्म के संगम का प्रत्यक्ष प्रमाण है? कार्यक्रम का समापन सामूहिक राजयोग अभ्यास और ब्रह्मा भोजन (स्नेह भोज) के साथ हुआ। इस गरिमामयी आयोजन में जिले के वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार और सिवनी ब्रह्माकुमारीज परिवार के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आयोजन एटोस कंपनी, कोहका फाउंडेशन एवं एमएनबी होम फॉर ब्लाइंड के सहयोग से हो रहा आयोजन

दृष्टिबाधित बच्चों के लिए विशेष समर कैंप का शुभारंभ

सिवनी नवभारत । फ्रांस की प्रतिष्ठित सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी एटोस कोहका फाउंडेशन एवं एमएनबी होम फॉर ब्लाइंड के संयुक्त सहयोग से दृष्टिबाधित एवं जरूरतमंद बच्चों के लिए विशेष समर कैंप का शुभारंभ 1 मई 2026 से जोगेश्वरी (पश्चिम), मुंबई स्थित एमएनबी होम फॉर ब्लाइंड में किया गया। यह समर कैंप 31 मई 2026 तक संचालित होगा, जिसमें बच्चों के सर्वांगीण विकास, आत्मनिर्भरता और मनोरंजन के लिए विविध रचनात्मक एवं प्रशिक्षण आधारित गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।

इस विशेष समर कैंप का संपूर्ण प्रायोजन एटोस कंपनी द्वारा किया जा रहा है, जो एक अंतरराष्ट्रीय फ्रांसीसी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी है तथा भारत में भी इसका व्यापक संचालन है। एटोस द्वारा इस सामाजिक पहल में सहभागिता कंपनी की सामाजिक जिम्मेदारी एवं सेवा भावना को दर्शाती है।

कोहका फाउंडेशन एवं एमएनबी होम फॉर ब्लाइंड लंबे समय से गरीब, जरूरतमंद, दिव्यांग एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। दोनों संस्थाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशिक्षण एवं सामाजिक सहयोग के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

जरूरतमंदों की सहायता और सामाजिक सेवा के प्रति इन संस्थाओं की प्रतिबद्धता सराहनीय मानी जाती है। यही कारण है कि दोनों संस्थाएं हमेशा सहयोग के लिए तत्पर रहती हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रही हैं।

समर कैंप के उद्घाटन अवसर पर बच्चों, स्वयंसेवकों, प्रशिक्षकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरे मई माह चलने वाले इस शिविर में गीत-संगीत, नृत्य, मोबिलिटी प्रशिक्षण, योग, मलखंब, तैराकी, स्केटिंग, इनडोर एवं आउटडोर खेल, कंप्यूटर शिक्षा एवं अंग्रेजी कक्षाओं की विशेष व्यवस्था की गई है।

विशेष रूप से आधुनिक कंप्यूटर प्रशिक्षण के माध्यम से दृष्टिबाधित बच्चों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने पर बल दिया जा रहा है, ताकि वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें। वहीं खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं व्यक्तित्व विकास गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास और नई ऊर्जा का संचार किया जाएगा।

कोहका फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बताया कि यह पहल केवल एक समर कैंप नहीं, बल्कि जरूरतमंद एवं दृष्टिबाधित बच्चों को बेहतर अवसर प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। संस्था का उद्देश्य बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना, उनकी प्रतिभाओं को निखारना तथा उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करना है।

पंजीयन हेतु इच्छुक अभिभावक एवं प्रतिभागी 7398491499 पर संपर्क कर सकते हैं। समर कैंप का आयोजन एमएनबी होम फॉर ब्लाइंड, एसवी रोड, जोगेश्वरी (पश्चिम), मुंबई में किया जा रहा है।

एटोस, कोहका फाउंडेशन एवं एमएनबी होम फॉर ब्लाइंड की यह संयुक्त पहल सामाजिक सेवा, शिक्षा और समावेशिता की दिशा में एक प्रेरणादायक उदाहरण बन रही है, जो दृष्टिबाधित एवं गरीब बच्चों के जीवन में नई आशा, आत्मविश्वास और अवसरों का संचार कर रही है।